Maharashtra Education Society's

Abasaheb Garware College

(Autonomous)

(Affiliated to Savitribai Phule Pune University)

Three Year B.A. Degree Program in Hindi

(Faculty of Humanities)

Syllabus under NEP 2023

T.Y.B.A. (Hindi)

National Education Policy 2023 Syllabus

To be implemented from the Academic Year, 2026-27

Hindi

HINDI STRUCTURE

UNDER GRADUATE

Sr. No	Year	Semester	Course Type	Paper Number	Course Code	Title of Paper	No. of Credits	No. of Lectures
1	TYBA	5	Theory	Major -1	HIN-301-MJ	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल और रीतिकाल)	4	60
			Theory	Major-2	HIN-302-MJ	हिंदी भाषा और उसका विकास	4	60
			Theory	Major-2	HIN-304-MJ	कथेतर विधाएँ	4	60
			Theory	Major **Elective**	HIN-316-MJE	समकालीन हिंदी लघुकथा	4	60
			Theory	VSC	HIN-322-VSC	संभाषण एवं मंच संचालन	2	30
			FILD WORK	FP	HIN-331-FP	FILD VISIT	2	30
3	TYBA	6	Theory	Major -1	HIN-351 -MJ	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	60
			Theory	Major-2	HIN-352 -MJ	भाषा विज्ञान (सामान्य)	4	60
			Theory	Major-3	HIN-354 -MJ	हिंदी रंगमंच और नाटक	4	60
			Theory	Major **Elective**	HIN-366-MJE	पटकथा एवं फिल्मांतरण	4	60
			Theory	VSC	HIN-371-VSC	सृजनात्मक लेखन	2	30
			Theory	OJT	HIN-381-CEP	OJT	4	60

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

पंचम अयन (Five Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-301-MJ हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल और रीतिकाल)

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	1.हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण। 2.आदिकाल की पृष्ठभूमि। 3.रासो साहित्य का परिचय 4.सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का परिचय। 5. आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई II	1. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि 2.भक्ति आंदोलन का महत्व। 3.निर्गुण काव्य : संत काव्य की विशेषताएँ, सूफी काव्य की विशेषताएँ। 4.सगुण काव्य : राम काव्य की विशेषताएँ, कृष्ण काव्य की विशेषताएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई -III	1.रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। 2. रितिकालीन काव्य की विशेषताएँ 3.रीतिकाल के रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्यधारा का सामान्य परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई -IV	1.रचनाकारों का परिचय : कवि चंदबरदाई, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, कबीर, मलिक मुहम्मद जायसी, तुलसीदास, सूरदास, केशवदास, बिहारी, रहीम,घनानंद। 2.रचनाओं का परिचय : पृथ्वीराज रासो, गोरखबानी, बीजक, पद्मावत, रामचरितमानस, भ्रमरगीतसार, रामचंद्रिका, बिहारी सतसई, घनानंद पदावली।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना / क्षेत्र भेट - 20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-1 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-2 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-3 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई-4 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 5. इकाई-1,2,3,4 पर टिप्पणीयाँ। (चार में से दो) (हर इकाई पर एक-एक टिप्पणी) (10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल

2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

7. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेंद्र

8. हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

10. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के

11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास - डॉ. राजेंद्र मिश्र

12. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास -डॉ. सुमन राजे

13. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

14. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. जालिंदर इंगळे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

पंचम अयन (Five Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-302-MJ हिंदी भाषा और उसका विकास 4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।
5. साहित्य-अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	भाषा की परिभाषा और भाषा की विशेषताएँ। भाषा के विविध रूप : बोली भाषा, परिनिष्ठित भाषा, साहित्यिक भाषा,राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, प्रादेशिक भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा।	15 तासिकाएँ
इकाई II	हिंदी की बोलियाँ : पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, पहाडी हिंदी, राजस्थानी हिंदी। हिंदी का शब्द भंडार : तत्सम शब्द, तद्भव शब्द, देशज शब्द, आगत या विदेशी शब्दों का परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई -III	देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास। देवनागरी लिपि की विशेषताएँ। देवनागरी लिपि में सुधार की संभावनाएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	शोध परियोजना 1 क्रेडिट शोध परियोजना / क्षेत्र भेट	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना / क्षेत्र भेट -20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-I पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-II पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-III पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई- I, II, III पर तीन टिप्पणीयाँ (हर इकाई पर दो-दो प्रश्न)। (15 अंक)

प्रश्न 5. इकाई- I, II, III पर बहुविकल्पीय प्रश्न। (05 अंक)

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र- डॉ. कपिल देव द्विवेदी
2. हिंदी भाषा संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. आधुनिक भाषाविज्ञान- डॉ. कृपाशंकर सिंह,चतुर्भुज सहाय
4. हिंदी का वाक्यात्मक कारण - प्रो. सूरजभान सिंह
5.भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

पंचम अयन (Five Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-304-MJ कथेतर विधाएँ 4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. छात्रों को संस्मरण साहित्य से अवगत करना।
2. छात्रों को रेखाचित्र साहित्य से अवगत करना।
3. छात्रों की मूल्यांकन दृष्टि का विकास करना।
4. सभा-इतिवृत्त लेखन कौशल का विकास करना।
5. वार्ता-लेखन कौशल का विकास करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	संस्मरण : 1. शरत् : एक याद - अमृतलाल नागर 2. प्रेमचंद एक स्मरण- महादेवी वर्मा 3. हम हशमत- कृष्णा सोबती 4. त्यागमूर्ति - 'निराला' शिवपूजन सहाय	15 तासिकाएँ
इकाई II	रेखाचित्र : 1. पीपल- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' 2. डबली बाबू- विनय मोहन शर्मा 3. अमृत के स्रोत- जगदीश माथुर। 4. रजिया - रामवृक्ष बेनीपुरी'	15 तासिकाएँ
इकाई - III	नाख़ून क्यों बढ़ते हैं -आ.हजारीप्रसाद व्दिवेदी नीलकंठ -महादेवी वर्मा सदाचार का ताबीज – हरिशंकर परसाई संस्कृति और विकास – श्यामाचरण दुबे	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम : 1. सभा-इतिवृतलेखन 2. वार्ता-लेखन 3.स्ववृत लेखन	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना/ क्षेत्र भेट - 20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-1 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-2 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-3 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई-4 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 5. इकाई-1,2,3,4 पर टिप्पणीयाँ। (चार में से दो) (हर इकाई पर एक-एक टिप्पणी) (10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाठ्यपुस्तक: संपादन-हिंदी अध्ययन मंडल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी रेखाचित्र- डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास- डॉ. सुरेंद्र माथुर
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य- डॉ. ईरेश स्वामी

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

पंचम अयन (Five Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-316-MJE समकालीन हिंदी लघुकथा (Major Elective)

4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1.छात्रों को लघुकथा साहित्य से परिचित कराना।

2.लघुकथा की संक्षिप्तता एवं विचारों की व्यापकता से अवगत करना।

3.लघुकथा की सामाजिक एवं राजनीतिक संवेदनाओं पर प्रकाश डालना।

4.लघुकथा में चित्रित धार्मिक एवं सांस्कृतिक संवेदनाओं पर प्रकाश डालना।

5.लघुकथा लेखन के लिए छात्रों को प्रेरित करना।

6.छात्रों की संरचनात्मक क्षमता का विकास करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	लघुकथा साहित्य - लघुकथा : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप लघुकथा की विशेषताएँ लघुकथा के तत्व लघुकथा का विकासक्रम	15 तासिकाएँ
इकाई II	हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1) रोटी 2) खेती 3) सूअर 4) देव-भक्ति 5) बदचलन 6) जाति उक्त रचनाओं का कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

इकाई III	सतीश दुबे: व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1. अनुबंध 2. प्रेम-परिणय 3. फ्रेंडशिप 4. भीड़ में खोया आदमी 5. आइटम 6. पाप का सांप उक्त रचनाओं का कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई IV	अशोक भाटिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1. पीढ़ी - दर - पीढ़ी 2. कुण्डली 3. वीटो 4. भीतर का सच 5. बराबरी 6. भूक उक्त रचनाओं का कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना/ क्षेत्र भेट - 20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-1 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-2 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-3 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई-4 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 5. इकाई-1,2,3,4 पर टिप्पणीयाँ। (चार में से दो) (हर इकाई पर एक-एक टिप्पणी) (10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :

1. समकालीन हिंदी लघुकथा संवेदना एवं शिल्प - डॉ. सत्यवीर मानव
2. हिंदी लघुकथा : दृष्टि और सृष्टि- डॉ. बलराम अग्रवाल
3. समकालीन हिंदी लघुकथा - डॉ. अशोक भाटिया
4. पड़ाव और पड़ताल (खंड-4) - संपा. - मधुदीप
5. हिंदी लघुकथा का सौंदर्यशास्त्र - डॉ. मधुकर अष्ठाना
6. हिंदी लघुकथा : परिप्रेक्ष्य और परिवर्तन - डॉ. अशोक भाटिया

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

पंचम अयन (Five Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-322 -VSC संभाषण एंव मंच संचालन 2 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1) छात्रों को भाषा के प्रभावशाली प्रयोग का ज्ञान देना।
2) छात्रों को भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित करवाना।
3) विषय के अनुकूल भाव प्रकट करना सिखाना।
4) संभाषण कला का परिचय देना।
5) अनुतान और बालाघात का ज्ञान देना।
6) छात्र भाषा का प्रभावशाली प्रयोग कर सकेंगे।
7) छात्र भाषा के विविध रूपों और उसके महत्व को समझ सकेंगे।
8) विषय और संदर्भ के अंनुकूल अपने भावों को व्यक्त कर सकेंगे।
9) विभिन्न अवसरों पर प्रभावी ढंग से उद्घोषणाएं और मंच संचालन कर सकेंगे।
10) विभिन्न मंच संचालन और उद्घोषणाओं के अवसर पर सही अनुतान और बालाघात का प्रयोग कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	संभाषण अर्थ एवं स्वरूप संभाषण के विविध रूप जनसंचार में संभाषण की उपयोगिता एवं महत्व	15 तासिकाएँ
इकाई II	मंच संचालन अर्थ एवं स्वरूप मंच संचालन के विभिन्न रूप और उसकी विशेषताएं मंच संचालक के गुण मंच संचालन करते समय ध्यान देने योग्य बातें	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन :-

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : 25 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 10 अंक, शोध परियोजना/ क्षेत्र भेट - 10 अंक, मौखिक प्रस्तुति - 05 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 25 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप :-

प्रश्न 1) दीर्घोत्तरी प्रश्न। (दो में से एक) (इकाई-1 पर) (10 अंक)
प्रश्न 2) दीर्घोत्तरी प्रश्न। (दो में से एक) (इकाई- 2 पर) (10 अंक)
प्रश्न 3) टिप्पणीयाँ लिखिए। (दो में से एक) (इकाई-1 और 2 पर) (05 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :

1) भाषण कला - महेश शर्मा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2) अच्छा बोलने की कला डेल कार्नेगी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
3) आधुनिक जनसंचार और हिंदी प्रोफेसर हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4) मीडिया आयाम और प्रतिमान दो पृथ्वी नाथ, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

षष्ठ अयन (Six Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-351 -MJ हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) 4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि से छात्रों को अवगत कराना।
2. भारतेंदुयुगीन, द्विवेदी युग के काव्य की विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
3. आधुनिक काल के रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।
4. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	1.आधुनिक काल की पृष्ठभूमि 2.भारतेंदुयुगीन काव्य: सामान्य परिचय 3.भारतेंदुयुगीन काव्य की विशेषताएँ। 4. द्विवेदी युग: सामान्य परिचय 5. द्विवेदी युगीन काव्य की विशेषताएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई II	1.छायावादी काव्य : सामान्य परिचय 2.छायावादी काव्य की विशेषताएँ 3. प्रगतिवादी काव्य : सामान्य परिचय 4. प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ। 5. प्रयोगवादी काव्य का सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	1.हिंदी गद्य का उद्भव और विकास 2.फोर्ट विलियम कॉलेज का योगदान 3.हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय) 4.हिंदी कहानी साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय) 5.हिंदी नाटक साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय)	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	1.रचनाकारों का सामान्य परिचय : भारतेंदु हरिश्चंद्र, बद्रिनारायण चौधरी 'प्रेमघन', मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', कवि नागार्जुन, सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन अज्ञेय। 2. रचनाओं का सामान्य परिचय : भारत दुर्दशा, साकेत, प्रियप्रवास,	15 तासिकाएँ

	कामायनी, पल्लव, राम की शक्तिपूजा, यामा,रश्मिरथी, बलचनामा, तारसप्तक।	

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना/ क्षेत्र भेट - 20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-1 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-2 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-3 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई-4 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 5. इकाई-1,2,3,4 पर टिप्पणीयाँ। (चार में से दो) (हर इकाई पर एक-एक टिप्पणी) (10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

षष्ठ अयन (Six Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-352 -MJ भाषा विज्ञान (सामान्य) 4 कर्माक (Credit)

उद्देश्य:-

1.भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।

2 . छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।

3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।

4 .भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।

5 .साहित्य-अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई I	भाषा विज्ञान का नामकरण और परिभाषा, भाषाविज्ञान की शाखाएँ। भाषा विज्ञान का अन्य शाखाओं से संबंध भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा विज्ञान और साहित्य, भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान ,भाषा विज्ञान और भूगोल।	15 तासिकाएँ
इकाई II	ध्वनि विज्ञान : ध्वनि का अर्थ और परिभाषा। ध्वनि यंत्र। ध्वनि गुण : मात्रा, स्वराघात, बलाघात। ध्वनि परिवर्तन के कारण। रूप विज्ञान : अर्थ और परिभाषा। रूप और रुपिम में अंतर रुपिम के भेद : मुक्त रुपिम , बद्ध रुपिम, मुक्तबद्ध रुपिम, रूप परिवर्तन के कारण।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	अर्थ विज्ञान : परिभाषाएँ। अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ। अर्थ परिवर्तन के कारण। वाक्य विज्ञान: स्वरूप, परिभाषाएँ। वाक्य के प्रकार। वाक्य की आवश्यकताएँ।	15 तासिकाएँ

इकाई - IV	शोध परियोजना 1 क्रेडिट शोध परियोजना / क्षेत्र भेट	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना/ क्षेत्र भेट -20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-I पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-II पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-III पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई- I, II, III पर तीन टिप्पणीयाँ (हर इकाई पर दो-दो प्रश्न)। (15 अंक)

प्रश्न 5. इकाई- I, II, III पर बहुविकल्पीय प्रश्न। (05 अंक)

संदर्भ ग्रंथ-

1. भाषा और समाज – डॉ.रामविलास शर्मा
2. आधुनिक भाषा विज्ञान - राजमणि शर्मा
3. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान- डॉ. रामानंद तिवारी
4. भाषा विज्ञान - सं. डॉ. राजमल बोरा
5. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री

6 भाषाविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

7. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा -डॉ. रुपाली चौधरी
8. भाषाविज्ञान - डॉ. जालिंदर इंगळे

9.भाषाविज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा

10. भाषाविज्ञान - डॉ.मधुकर देशमुख

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

षष्ठ अयन (Six Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-354 -MJ हिंदी रंगमंच और नाटक 4.कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय देना।
4. पठित नाटकों के दवारा नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना ।
5. नाट्याभिनय कौशल को विकसित करना।
6. नाटक कला में रूचि उत्पन्न करना।
7. हिंदी नाटकों की समीक्षा कर सकेगें।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई I	रंगमंच अर्थ, स्वरूप, परिभाषा हिंदी रंगमंच का विकासक्रम हिंदी रंगमंच के प्रमुख प्रकार	15 तासिकाएँ
इकाई II	नाटक - अर्थ, स्वरूप, परिभाषा नाटक के तत्व नाटक के प्रकार हिंदी नाटक का विकासक्रम	15 तासिकाएँ
इकाई III	निर्धारित नाटक: अभंग गाथा – डॉ. नरेंद्र मोहन कथ्यगत अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।	15 तासिकाएँ
इकाई IV	निर्धारित नाटक : नेपथ्य राग – मिराकांत कथ्यगत अध्ययन। तात्विक मूल्यांकन।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना/ क्षेत्र भेट - 20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-1 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-2 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-3 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई-4 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 5. इकाई-1,2,3,4 पर टिप्पणीयाँ। (चार में से दो) (हर इकाई पर एक-एक टिप्पणी) (10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :

1. साये में धूप (गजल संग्रह) - दुष्यंत कुमार
2. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. तेजपाल चौधरी
4. दुष्यंत कुमार और उनका काव्य -डॉ. सुरेश साळुंके

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

षष्ठ अयन (Six Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-366-MJE पटकथा एवं फिल्मांतरण 4.कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. छात्रों को स्क्रिप्ट लेखन, अर्थ, परिभाषा से अवगत कराना।
2. छात्रों को कथा, पटकथा और संवाद से परिचित कराना।
3. छात्रों को ड्राफ्ट बनाने से परिचित कराना।
4. छात्रों को सिनेमा के स्वरूप से परिचित कराना।
5. छात्रों को हिंदी साहित्य और सिनेमा के अन्तसंबंध से परिचित कराना।
6. छात्रों को हिंदी उपन्यासों पर आधारित फिल्मों से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन, अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय। पटकथा (स्क्रिप्ट) के तीन अंग कथा, पटकथा और संवाद। उदाहरण सहित संक्षिप्त जानकारी। तीनों की परस्परावलंबिता और दृश्य-श्रव्य माध्यम में महत्व। पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन की प्रक्रिया। विचार (आइडिया) वन लाइनर या लॉग लाइन सारांश (शीर्षक, कथावस्तु, पात्रों की सूची।) प्लॉट बनाना पात्रों का परिचय और उन्हें स्थापित करना, पात्रों का विकास। ड्राफ्ट बनाना इनडोर /आउटडोर, समय, स्थान, संवाद, पात्र की क्रिया और प्रतिक्रिया।	15 तासिकाएँ
इकाई II	दृश्य-श्राव्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों के लिए स्क्रिप्ट लेखन। (सामान्य दिशा निर्देश) वृत्तचित्र टेलिफिल्म, शॉर्टफिल्म, विज्ञापन, फिल्म वॉक थू एवं अन्य चलचित्र । शॉर्ट फिल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन का विशेष परिचय। पटकथा के प्रारूप और मुख्य सॉफ्टवेयरों की जानकारी।	15 तासिकाएँ

इकाई III	सिनेमा: स्वरूप, विवेचन, सिनेमा की परिभाषाएँ हिंदी फीचर फिल्म के प्रकार हिंदी सिनेमा में अंतर्निहित तत्व ,हिंदी साहित्य और सिनेमा का अन्तसंबंध, भारत में सिनेमा का उद्भव और विकास ,समानांतर हिंदी सिनेमा इक्कीसवीं सदी में हिंदी सिनेमा।	15 तासिकाएँ
इकाई IV	साहित्य का फिल्मांतरण फिल्मांतरण स्वरूप, महत्व हिंदी उपन्यासों पर आधारित हिंदी फिल्में- सारा आकाश, नौकर की कमीज, चित्रलेखा। हिंदी कहानियों पर आधारित हिंदी फिल्में- सदगति, तीसरी कसम, मोहनदास।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 50 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 20 अंक, शोध परियोजना- 20 अंक, मौखिक प्रस्तुति- 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 50 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप -

प्रश्न 1. इकाई-1 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 2. इकाई-2 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अक)

प्रश्न 3. इकाई-3 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 4. इकाई-4 पर दो में से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न। (10 अंक)

प्रश्न 5. इकाई-1,2,3,4 पर टिप्पणीयाँ। (चार में से दो) (हर इकाई पर एक-एक टिप्पणी) (10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :

1. कथा पटकथा – मन्नु भंडारी
2. कथा पटकथा संवाद - हूबनाथ
3. पटकथा लेखक एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी
4. पटकथा कैसे लिखें - राजेंद्र पांडे
5. पटकथा लेखन फीचर फिल्म - उमेश राठौर
6. पटकथा लेखन व्यावहारिक निर्देशिका - असगर वजाहत
7. पटकथा सौंदर्य और सृजन - डॉ. चंद्रदेव यादव
8. साहित्य और सिनेमा- डॉ. जालिंदर इंगळे

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2026 – 2027 से)

षष्ठ अयन (Six Semester)

पाठ्यचर्या : HIN-371-VSC सृजनात्मक लेखन 2 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1) छात्रों की सृजनात्मक क्षमता को विकसित करना।
2) छात्रों की विचारशीलता, कल्पना-शक्ति और चिंतन शक्ति को बढ़ाना।
3) छात्रों को हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त सृजनात्मक लेखन का ज्ञान देना।
4) छात्र को सृजनात्मक लेखन द्वारा रोजगार प्राप्त करने की दृष्टि से ज्ञान देना।
5) छात्रों की सृजनात्मक लेखन की शक्ति विकसित होगी।
6) छात्र विचारशील और चिंतनशील होकर विभिन्न अवसरों का लाभ उठा सकेंगे।
7) छात्रों को हिंदी के सृजनात्मक लेखन के विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई— 1	सृजनात्मक लेखन का स्वरूप प्रक्रिया और विकास सृजनात्मक लेखन के तत्व एवं सिद्धांत गद्य लेखन पद्य लेखन काव्य रूप- लेखन	15 तासिकाएँ
इकाई II	नाटक लेखन समाचार लेखन कहानी लेखन साक्षात्कार लेखन संवाद लेखन रिपोर्ट लेखन	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन :-

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : 25 अंक (लघुत्तरी परीक्षा- 10 अंक, शोध परियोजना- 10 अंक, मौखिक प्रस्तुति - 05 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 25 अंक

सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का स्वरूप :-

प्रश्न 1) दीर्घोत्तरी प्रश्न। (दो में से एक) (इकाई-1 पर) (10 अंक)

प्रश्न 2) दीर्घोत्तरी प्रश्न। (दो में से एक) (इकाई- 2 पर) (10 अंक)

प्रश्न 3) टिप्पणीयाँ लिखिए। (दो में से एक) (इकाई-1 और 2 पर) (05 अंक)

संदर्भ ग्रंथ :

1) लेखन कला, डॉ. आबिद अली, निर्मल पब्लिकेशन, कुरुक्षेत्र।

2) लेखन कला, डॉ. संदीप कुमार, निर्मल पब्लिकेशन, कुरुक्षेत्र।

3) पत्रकारिता, सर्जनात्मक लेखन और प्रक्रिया, डॉ अरुण भगत।

4) सृजनात्मक लेखन, हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली।

5) सृजनात्मक लेखन और प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ विवेक शंकर, अरिहंत पब्लिकेशन, जयपुर।